CS (Main) Exam,2021

वियोज्य DETACHABLE

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र I)

PHILOSOPHY (Paper I)

निर्धारित समय : तीन घण्टे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं ।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिये नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH.**

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

www.mpscmaterial.com follow us @mpscmaterial on FB, INSTA and t.me/mpscmaterial

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिये :

Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

1. (a) "वहाँ एक लाल कुर्सी है ।"

प्लेटो अपने आकार-सिद्धान्त का प्रयोग करते हुए इस वाक्य की किस प्रकार व्याख्या करेंगे ? परीक्षण कीजिए ।

"There is a red chair."

How would Plato explain this statement with the use of his theory of forms ? Examine. 10

1. (b) अरस्तु के अनुसार "शक्यता अपरिभाष्य है" । उपरोक्त दार्शनिक मत के सन्दर्भ में लकड़ी की मेज का उदाहरण प्रयोग करते हुए शक्यता तथा वास्तविकता के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए ।

"Potentiality is indefinable" according to Aristotle. Explain the relationship between potentiality and actuality with reference to the above philosophical position by taking the example of a "wooden table". 10

1. (c) "संवेद्य वस्तुएं केवल वे होती हैं जिन्हे अव्यवहित अथवा अपरोक्ष रूप से इन्द्रियों द्वारा प्रत्यक्ष किया जा सके ।" उपरोक्त वाक्य के सन्दर्भ में बर्कले की ज्ञानमीमांसा की व्याख्या कीजिए ।

"Sensible things are those only which are immediately perceived by sense." Explain Berkeley's theory of knowledge with reference to the above statement. 10

1. (d) लॉक की वैयक्तिक तादात्म्य की अवधारणा का परीक्षण कीजिए ।

Examine the concept of personal identity by Locke. 10

1. (e) "कारण तथा कार्य के मध्य नित्य संयोजन का सम्बन्ध होता है ।" उपरोक्त कथन के आलोक में ह्यूम की कारणता की आलोचना का परीक्षण कीजिए ।

www.mpscmaterial.com

"The relation between cause and effect is one of constant conjunction". Examine Hume's criticism of causation in the light of the above statement. 10

2. (a) हेगल की द्वन्द्वात्मक विधि की विवेचना कीजिए । उनकी द्वन्द्वात्मक विधि किस प्रकार उन्हे निरपेक्ष प्रत्ययवाद की ओर ले जाती है, इसकी व्याख्या कीजिए ।

Discuss Hegel's Dialectical method. Explain how his dialectical method leads him to the Absolute Idealism. 20

2. (b) तार्किक प्रत्यक्षवादियों के अनुसार "छद्मवाक्य" (सूडोस्टेटमेन्टस) क्या होते हैं ? "छद्मवाक्यों" की पहचान किस प्रकार की जा सकती है ? उदाहरणों सहित आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

What according to Logical Positivists are "pseudostatements" ? How does one identify "pseudostatements" ? Critically discuss with examples. 15

2. (c) कान्ट किस प्रकार देकार्त द्वारा सूत्रबद्ध सत्तामूलक युक्ति की आलोचना प्रस्तुत करते हैं, इसकी व्याख्या कीजिए ।

Explain how Cartesian formulation of ontological argument is criticised by Kant. 15

3. (a) मूर अपने प्रपत्र "ए डिफेन्स ऑफ कॉमन सैन्स" में यह सिद्ध करने के लिए क्या युक्ति प्रस्तुत करते हैं कि इस संसार के विषय में ऐसी प्रतिज्ञाप्तियाँ सम्भव हैं जिन्हे निश्चितता के साथ सत्य जाना जा सकता है ? क्या आप सोचते हैं कि मूर द्वारा दी गई युक्तियाँ संशयवादी द्वारा ज्ञान की संभावना के विरोध में प्रस्तुत आक्षेपों का पर्याप्त प्रत्युत्तर देती हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में युक्तियाँ प्रस्तुत कीजिए ।

What are the main arguments put forward by Moore in his paper "A Defence of Common Sense" to prove that there are possible propositions about the world that are known to be true with certainty ? Do you think Moore's arguments provide a sufficient response to objections presented by the sceptic against the possibility of knowledge ? Give reasons in support of your answer. 20

www.mpscmaterial.com follow us @mpscmaterial on FB, INSTA and t.me/mpscmaterial

3. (b) स्ट्रॉसन के अनुसार आधारभूत विशेष क्या होते हैं ? स्ट्रॉसन यह मानने के लिए क्या युक्तियाँ प्रस्तुत करते हैं कि 'पदार्थीय शरीर' तथा 'व्यक्ति'आधारभूत विशेष होते हैं ? समालोचनात्मक विवेचना प्रस्तुत कीजिए।

What according to Strawson are basic particulars ? What reasons does Strawson offer to believe that 'material bodies' and 'persons' are basic particulars ? Critically discuss. 15

3. (c) "टू डॉग्मास ऑफ एम्पीरीसिस्म" के सन्दर्भ में क्वाइन की मताग्रह रहित अनुभववाद की संकल्पना का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine Quine's postulate of empiricism without the dogmas with reference to his 'Two Dogmas of Empiricism'. 15

4. (a) हुसर्ल की 'प्राकृतिक अभिवृत्ति' की आलोचना का समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए। हुसर्ल प्राकृतिक अभिवृत्ति से जुड़ी समस्याओं का अपनी संवृत्तिशास्त्रीय पद्धति से किस प्रकार निवारण प्रस्तावित करते हैं ?

Present a critical exposition of Husserl's criticism of 'natural attitude'. How does Husserl propose to address the problems involved in natural attitude through his phenomenological method ? 20

4. (b) "मैं सदैव चुनाव करने में सक्षम होता हूँ, किन्तु मुझे यह जान लेना चाहिए कि यदि मैं नहीं चुन रहा होता हूँ, तब भी मैं चुनाव कर रहा होता हूँ।" इस कथन के आलोक में सार्त्र की चुनाव तथा उत्तरदायित्व सम्बन्धी अवधारणा की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

"I can always choose, but I ought to know that if I do not choose, I am still choosing". Critically discuss Sartre's conception of choice and responsibility in the light of above statement. 15

4. (c) "जिस संदर्भ में कुछ कहा नहीं जा सकता, उसके विषय में मौन ही रहना चाहिए।" – विट्गैन्सटाइन के इस कथन से क्या अभिप्राय है ? समालोचनात्मक विवेचना प्रस्तुत कीजिए।

What does Wittgenstein mean by the statement – "Whereof one cannot speak, thereof one must be silent ?" Critically discuss. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिये :

Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

5. (a) क्या बीज में वृक्ष अंतर्निहित होता है ? न्याय-वैशेषिक दर्शन के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

Does the seed contain the tree ? Discuss with reference to Nyāya-Vaiśeṣika Philosophy. 10

5. (b) न्याय दर्शन के सन्दर्भ में आप्त पुरुष द्वारा दिए गए परामर्श के रूप में शब्द के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

Explain with reference to Nyāya Philosophy, the nature of *śabda* as the advice of *āpta* (a reliable person). 10

5. (c) समवाय के लक्षण के रूप में अयुत सिद्धत्व एक अनिवार्य उपाधि है अथवा पर्याप्त उपाधि ? वैशेषिक दर्शन के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

Is 'inseparability' (*ayuta-siddhatva*) a necessary condition or a sufficient condition for defining characteristics (*lakṣaṇa*) of *samavāya* (inherence) ? Explain with reference to Vaiśeṣika Philosophy. 10

5. (d) बौद्ध दर्शन के सन्दर्भ में पुद्गल-नैरात्म्यवाद तथा धर्म-नैरात्म्यवाद के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Distinguish between pudgala-nairātmyavāda and dharma-nairātmyavāda with reference to Buddhist Philosophy. 10

www.mpscmaterial.com follow us @mpscmaterial on FB, INSTA and t.me/mpscmaterial

5. (e) चारवाक की ज्ञान मीमांसा का उनके द्वारा इन्द्रियातीत वस्तुओं की अस्वीकृति से सम्बन्ध के विषय में टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए ।

Comment on the bearing of Cārvāka epistemology on the rejection of transcendental entities by them. 10

6. (a) योग दर्शन के अनुसार क्लेशों के स्वरूप की व्याख्या कीजिए । उनके निराकरण से किस प्रकार कैवल्य उपलब्ध होता है ?

Explain with reference to Yoga Philosophy, the nature of *kleśa*s. How does the removal of these lead to *kaivalya* ? 20

6. (b) तीन गुण (गुण-त्रय) तथा उनके रूपान्तरण के विषय में सांख्य-दर्शन के मत की व्याख्या कीजिए ।

Explain the Sāṅkhya view on three *guṇa*s (*guṇa-traya*) and their modifications. 15

6. (c) मीमांसकों के अनुसार अभाव का सत्तामूलक स्वरूप क्या है तथा किसी व्यक्ति को उसका ज्ञान किस प्रकार होता है ? व्याख्या तथा परीक्षण कीजिए ।

What, according to Mīmāṁsakas, is the ontological status of *abhāva* (absence) and how does one know it ? Explain and examine. 15

7. (a) विपर्यय के सम्बन्ध में अनिर्वचनीय-ख्याति के समर्थक अद्वैत मत की स्थापना हेतु न्याय मत का किस प्रकार खन्डन करते हैं ? समीक्षात्मक विवेचना कीजिए ।

How do the advocates of *anirvacaniya-khyāti* refute the position of the Naiyāyikas and establish the position of Advaitins regarding the problem of error ? Critically discuss. 20

7. (b) यदि सभी वस्तुएं क्षणिक हैं तो बौद्ध स्मृति तथा वैयक्तिक तादात्म्य की समस्या की किस प्रकार व्याख्या करेंगे ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

www.mpscmaterial.com

If everything is momentary then how do the Buddhists explain the problem of memory and personal identity ? Critically discuss. 15

7. (c) जैनों की सप्तभंगी नय की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

Explain the Jain view of seven-fold (*sapta-bhaṅgī*) 'Naya'. 15

8. (a) श्री ऑरोबिन्दो के अनुसार 'चैत्त सत्ता का जागरण तथा सत्ता के अन्य भागों पर उसकी क्रमिक प्रधानता मनुष्य के चेतन क्रम-विकास में पहला कदम है' । व्याख्या तथा परीक्षण कीजिए ।

According to Śri Aurobindo, 'the awakening of the psychic being and its gradual prominence over all other parts of the being is the first step in the conscious evolution of man'. Explain and examine. 20

8. (b) संसार के स्वरूप के विषय में शंकर तथा रामानुज के मतों की तुलना तथा अन्तर कीजिए ।

Compare and contrast the views of Śaṅkara and Rāmānuja regarding the status of the world. 15

8. (c) माध्वाचार्य के दर्शन में जीव तथा जगत के स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

Explain the status of *jīva* and *jagat* in the philosophy of Mādhvācārya. 15

www.mpscmaterial.com follow us @mpscmaterial on FB, INSTA and t.me/mpscmaterial